

बड़ों के बीच, गरीबों का, रहना मुश्किल है ११  
चोट पर चोट सही अब तो, सहना मुश्किल है ११  
बड़ों के बीच - - - - - चोट पर चोट - - - - -

① जब कभी इनके- कारणों से- रंग लाते हैं ११  
चढ़कने लगती है, हो जाती, जीना मुश्किल है ११  
चोट पर चोट - - - - - बड़ों के बीच - - - - -

② अपनी खुशियों के लिए- वेवजह खलाते हैं ११  
उजाड़ डाले, कई घर जो, बसना मुश्किल है ११  
चोट पर चोट - - - - - बड़ों के बीच - - - - -

③ बड़ी बेरहमी से- बबर्दि ये कर देते हैं ११  
ऐसे में क्या कहें, इनसे तो कहना मुश्किल है ११  
चोट पर चोट - - - - - बड़ों के बीच - - - - -

④ हर घड़ी हमसे- बर्हाते रहे, आंसू अपने ११  
ऐसे हालात में, आंसू का आना मुश्किल है ११  
चोट पर चोट - - - - - बड़ों के बीच - - - - -

⑤ इनकी हर चाहसे वाकिफ हुए "श्री बाबा श्री" ११  
इतने चालाक हैं, इनको समझना मुश्किल है ११  
चोट पर चोट - - - - - बड़ों के बीच - - - - -